मंगलवार

32 साल से देहरादून का विश्वास

29 अक्टूबर 2024

- देहरादून
- वर्ष 32
- अंक 259
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

बिटक्वाईन के नाम पर ठगे 3 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। बिटक्वाईन की फर्जी साईट बनाकर तीन लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुडियाल निवासी जगन्नाथ प्रसाद कुकसाल ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 29 मार्च 2024 को जीडी पन्त अध्यापक छत्तीसगढ़ मोबाइल द्वारा फोन कर बताया कि वह उसके टेलीग्राम लिंक पर आ जाओं और बहुत बड़िया प्रोग्राम विटक्वाईन केस ने उसकी आईडी लगवा देते है, उसको 30 डॉलर से आईडी लगानी है 30 डॉलर बराबर 27000 रूपये और इन्होने टेलीग्राम मीट पर जयन्त कुमार डे संजय मिश्रा तथा सुनिल कुमार से मिलवाया तथा आश्वासन दिया कि उसकी इन्वेस्टमेंट उनकी कपनी में सेफ है वह चाहे तो निकालकर देख सकते हो वह 24 घण्टें में जब चाहें अपना मूलधन निकाल सकते हो 10 प्रतिशत काटकर उसका मूलधन वापस हो जायेगा जिसमें इन्होनें उसको विटक्वानईन केस की उसकी आईडी नम्बर दिया और कहा कि वह विड्रोल करके देख लो तो उसने तुरन्त ही विड्रोल किया तो उसको 27 डॉलर वापस उसकी आईडी में आ गये इस पर उसको इन पर विश्वास हो गया तो इन्होने उससे कहा कि एक लाख रूपये निवेश पर उसको रोज 500 रूपये वह देंगे और 500 रूपये डेली विड्रोल करने पर 10 प्रतिशत काटकर 450 उसको मिलेगें। उसने समय समय पर उनके यहां लगभग तीन लाख रूपये जमा कराये। इन्होने डेली इन्कम वाला विड्रोल दिया परंतु जब उसने कहा कि उसका सारा पैसा विड्रोल करा दीजिये तो इन्होने उसकी धर्मपत्नी इदु कुकसाल तथा उसके पुत्र प्रशांत कुकसाल की आईडी ब्लाक कर दी। इस प्रकार इन लोगों ने उनसे तीन लाख रूपये हडप लिये हैं।

उत्तराखंड में हेली एंबुलेंस सेवा शुरू

❑पीएम मोदी ने किया हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ
❑धामी ने पीएम व स्वास्थ्य मंत्री का आभार जताया

विशेष संवाददाता

देहरादून। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के दृष्टिकोण से उत्तराखंड राज्य के लोगों के लिए आज का दिन अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहा। उत्तराखंड अब देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां हेली एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इस हेली सेवा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया, इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे।

ऋषिकेश एम्स से शुरू की गई इस हेली सेवा से अब दुर्गम और दूरस्थ इलाकों के गंभीर रूप से बीमार और घायल लोगों को अत्यंत ही कम समय में इलाज के लिए अस्पताल लाया जा सकेगा। दुर्गम क्षेत्र जहां सड़के तक नहीं है गंभीर बीमार लोगों को अस्पताल लाने के लिए डोली का सहारा लेना पड़ता था। वही किसी सड़क दुर्घटना के घायलों को भी अस्पताल तक पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा और देरी से इलाज मिलने के कारण उनकी जान नहीं जाएगी।

इस हेली सेवा को संजीवनी का नाम दिया गया है संजीवनी हेली सेवा के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री धामी ने खुशी जताते हुए कहा है कि उत्तराखंड राज्य के लोगों के लिए यह सेवा किसी संजीवनी से कम नहीं है। दुर्घटना और आपातकाल में यह सेवा राज्य के लोगों के लिए लाभदाई होगी। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सेवा के शुभारंभ के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि देश की यह पहली हेली एंबुलेंस सेवा है जिसका संचालन उत्तराखंड से शुरू किया गया है। राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों में यह सेवा संजीवनी से कम नहीं है।

दून वैली मेल

संपादकीय

जब जेब खाली, तो काहे की दिवाली

दिवाली आ गई, हवा में थोड़ा बढ़ता प्रदूषण दिवाली आने का संदेश देने लगा है। हमने बचपन में बुजुर्गों से सुना था 'रोज दिवाली सोहनी जो घर में गेहूं होय,। निसंदेह अगर आपकी जेब खाली है तो फिर आपकी क्या दिवाली। आपकी जेब से हमारा मतलब उस आम आदमी से है जिनके पास ना तो कोई सरकारी नौकरी है न अपना कोई कारोबार। देश की वह 60 फीसदी आबादी जो असंगठित क्षेत्र में मेहनत मजदूरी करती है और उसके आसरे उनके घर का चूल्हा जलता है। उनके लिए यूं तो हमेशा ही आर्थिक संकट का दौर बना रहता है लेकिन यह संकट इस बार इसलिए कुछ अधिक गंभीर हो गया है कि बीते 6 माह से वह बेतहाशा महंगाई की मार झेल रहे हैं। अभी बीते दिनों अखबारों में आपने इस तरह की खबरें पढ़ी होगी कि पिछले 6 माह में जितनी महंगाई बढ़ी है उतनी महंगाई तो पिछले 10 सालों में भी नहीं बढ़ी थी। खास तौर पर सब्जियों और आम उपभोक्ता वस्तुओं की दरों में हुई भारी मूल्य वृद्धि का इस आम आदमी की जिंदगी पर इतना प्रभाव पड़ा है कि उसके लिए अपने बुरे वक्त के लिए बचा कर रख पाना तो दूर अपनी जरूरतों को पूरा करना भी बहुत मुश्किल हो गया है। निजी क्षेत्र में काम करने वालों को आमतौर पर पगार 7 से 10 तारीख के बीच मिलती है वहीं सरकारी नौकरी करने वालों को 1 तारीख के आसपास। महंगाई के कारण इन वेतन भोगियों के लिए महीने के अंतिम 8-10 दिन वैसे भी कठिन हालात में गुजरते हैं। इस बार दिवाली 31 अक्टूबर यानी कि महीने के अंतिम दिन होगी इसलिए इस वर्ग की जेब स्वाभाविक रूप से खाली है और उनकी जेब दीपावली जैसे त्यौहार में कुछ खर्च करने की स्थिति बिल्कुल भी नहीं है। बात अगर अगस्त माह की करें तो इसमें 10.10 फीसदी महंगाई बढ़ी जो अक्टूबर में 36 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। आप खुद सोच कर देखिए कि प्याज की कीमत इन दिनों 65 से 70 रूपये किलो है और टमाटर 60 से 80 रूपये किलो में मिल रहा है। बीते दो माह में थाली की कीमत में 56 फीसदी का इजाफा हो चुका है। बताया जा रहा है कि सरकार ने दिल्ली वालों के लिए नासिक से भारी मात्रा में प्याज मंगवाया है तथा उन्हें 35 रूपये किलो प्याज देने की बात कही है 35 रूपये किलो प्याज उन्हें मिल पाया है या नहीं इसका तो पता नहीं लेकिन हां अब हिंदुस्तान में वह वक्त भी नहीं रहा है जब जनता प्याज की कीमतें बढ़ने पर सरकार बदल देती थी शायद अब उसके वोट में वह ताकत नहीं रही है। आरबीआई ने अक्टूबर के महीने में महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान लगाया लेकिन वह अब 5.5 फीसदी का भी आंकड़ा पार कर चुकी है। सब परेशान है व्यापारी कह रहे हैं कि उनके कारोबार में 25 से 30 फीसदी तक गिरावट बीते कुछ माह में हो चुकी है। लोग न कार खरीद रहे हैं न महंगे मोबाइल क्योंकि जेब खाली है। भला हो सरकार का जो 5 किलो मुफ्त में राशन दे रही है वरना इस दिवाली पर जेब तो खाली है ही खाली पेट ही दिवाली गुजर जाती। सवाल यह भी मन में आ रहा है जिनकी जेब भी खाली है और पेट भी खाली है उन्हें इस दिवाली की क्या शुभकामनाएं दी जाए।

उत्सव के प्रति जागरूक हो

आज का दिवस वैद्य धन्वंतरि जयंती का है जिन्होंने दुनिया को आयुर्वेद का ज्ञान दिया। इस दिन ईश्वर द्वारा निशुल्क उपहार के रुप मे दी वनस्पति को औषधि के रूप में जानकर स्वयं का अथवा समाज का कल्याण करें। ऋषि धन्वंतरि का आज जन्मदिन है, जो आयुर्वेद के जनक है, किन्तु हम इस दिन का वास्तविक अर्थ भूल गये और इसे वस्तुएं खरीदने का दिन बना दिया। वैदिक ज्ञान को न समझने के कारण हम न जाने और कितने पाखण्ड में गिरेंगे। ऋषि कहते है आयुर्वेद का पालन करो तो तुम्हारे जीवन मे ऐश्वर्य आएगा। हमने उल्टा अर्थ लेकर खरीदारी शुरू कर दी। आयुर्वेद ने स्वस्थ शरीर को ही धन माना है। पहला सुख निरोगी काया और दूजा सुख घर में माया धन लक्ष्मी को दूसरा दर्जा दिया गया है। धनतेरस अर्थात भगवान 'ऋषि धन्वंतरि जयंती'।

आयुर्वेद में विद्या पूजन का अर्थ- प्रकृति, औषधि वनस्पति और इन सबसे बढ़कर प्रकृति की गोद में उपजी प्राकृतिक निधियों की पूजा अर्थात सत्कार है। धन्वन्तरि जयंती का अर्थ महार्षि धन्वन्तरि के जन्म दिवस पर प्रकृति की अनुकूलता प्राप्त करके, प्रकृति की असीम अनुकंपा प्राप्त करना है।

धन्वंतरि नाम के ऐतिहासिक व्यक्ति हुए हैं। जिसे आज हम सर्जन कहते हैं आयुर्वेद में उसे धन्वंतरि कहा गया है। शल्य चिकित्सक नहीं। आयुर्वेद के अनुसार, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर और दीर्घायु से ही हो सकती है। और संसार में शल्य तंत्र को पुर्णत: विकसित किया। आज संसार में शल्य तंत्र (सर्जरी) आयुर्वेद की देन है। (साभार: सोशल मीडिया)

बड़े-बड़े मगरमच्छों पर चाबुक चलाने हेतु भी बने कार्ययोजना: नेगी

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि जिस तरह से विजिलेंस छोटे-मोटे कर्मचारियों पर शिकंजा कस रही है तथा उन्हें अपनी गिरफ्त में ले रही है, लेकिन बड़े-बड़े मगरमच्छों पर भी उसी प्रकार हाथ डाला जाना चाहिए।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि प्रदेश में जिस तरह से विधायकों एवं मंत्रियों द्वारा सैकड़ो/ हजारों करोड़ के आर्थिक साम्राज्य खड़े किए जा रहे हैं, एक तरह से व्यवसायियों/ बिल्डरों/ माफियाओं से लूटी गई रकम है। ये लोग अपना काम कराने के एवज में इन नेताओ भारी भरकम रकम व अन्य आर्थिक तरीके से खुश करते हैं तथा उस अवैध तरीके से कमाई गई हराम की दौलत उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में अपने करीबी एवं गुर्गों के नाम पर निवेश करते है। नेगी ने कहा कि जिस तरह से विजिलेंस छोटे-मोटे कर्मचारियों पर शिकंजा कस रही है तथा उन्हें अपनी गिरफ्त में ले रही है, उसकी सराहना की जानी चाहिए; लेकिन बड़े-बड़े मगरमच्छों पर भी उसी प्रकार हाथ डाला जाना चाहिए। इस कार्य योजना हेतु विजिलेंस को और अधिक अधिकार संपन्न बनाने की जरूरत है।

सरकार/ राज भवन को प्रदेश के विधायकों/ मंत्रियों की संपत्तियों भी भी जांच करानी चाहिए जिससे सामाजिक न्याय स्थापित हो, जिसके तहत क्या नेता क्या अधिकारी सब बराबर हों। मोर्चा ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर 20-25 साल पहले कंगाली /तंगहाली में जी रहे ये मंत्री /विधायक आज करोड़पति- अरबपति कैसे बन गए। पत्रकार वार्ता में हाजी असद व प्रवीण शर्मा पिन्नी मौजूद थे।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने जंगलात रोड गुज्जर प्लाट के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 54 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम कुशल पुत्र दिनेश निवासी प्रेम विहार अदभूत मंदिर के पास हरिपुर रायवाला बताया। वहीं ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने गुंमानीवाला फाटक के पास से एक युवक को 49 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। उसने अपना नाम सौरभ देशवाल पुत्र धीरज देशवाल निवासी श्यामपुर बताया।

मकवाना ने कर्मचारियों का बीमा 5 लाख करने पर सरकार का आभार जताया

संवाददाता

देहरादून। पूर्व राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने स्वच्छता कर्मचारियों का जीवन बीमा पांच लाख रूपये करने पर सरकार का आभार व्यक्त किया।

आज यहां पूर्व राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने उत्तराखंड की निकायों में कार्यरत स्वच्छता कर्मचारियों का जीवन बीमा पाँच लाख रुपए किए जाने उत्तराखंड सरकार का आभार व्यक्त किया है। मकवाना ने बयान जारी कर कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं नगर विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का यह फैसला सराहनीय एवं स्वागत योग्य है। इस फैसले से निकायों में कार्यरत 6500 स्वच्छता कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इससे पूर्व धामी सरकार ने स्वच्छता कर्मचारियों के दैनिक वेतन में 500 बढ़ोत्तरी की थी। उन्होंने कहा कि बीमे का प्रीमियम भी सरकार वहन करेगी। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार स्वच्छता कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर भी जल्द निर्णय लेगी।

कांग्रेसियों ने कौलगढ़ चौक में लोगों को दीए वितरित किए

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह व पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने दीए वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं दी।

आज यहां पूर्व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक चकराता प्रीतम सिंह की उपस्थिति में दीपावली और धनतेरस के अवसर पर विधानसभा कैंट क्षेत्र के कौलगढ़ चौक में दीए वितरित किए। यह एक सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम था, जिसमें लोगों को त्योहार की शुभकामनाएं दी गईं और दीए वितरित किए गए। लाल चंद शर्मा ने कहा कि दीए बाँटने से देश की मिट्टी की सुगंध बढ़ती है, और यह त्योहार हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस त्योहार के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों की मदद करें और समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा दें।

प्रीतम सिंह ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि दीपावली और धनतेरस का त्योहार हमें अपने जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस त्योहार के दौरान अपने परिवार और समाज के साथ मिलकर रहने का संकल्प लें।

पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा की दीपावली और धनतेरस का त्योहार हमें अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई की याद दिलाता है, और हमें सच्चाई और न्याय के लिए लड़ने की प्रेरणा देता है। हमें समाज में एकता और सद्भावना को बढ़ावा देना चाहिए और सच्चाई और न्याय के लिए लड़ना चाहिए।

इस दौरान पार्षद कोमल वोहरा, प्रदेश प्रवक्ता दीप वोहरा, विपुल नौटियाल, राजेश पंवार, संजय कुमार, अनिल बस्नेत, विजय भट्टाचार्य, लक्ष्मी राणा, देवकी बिष्ट, शालिनी नौटियाल, मनोज राणा, अमित अरोड़ा, अमित रावत, राजेश पंवार, विक्की विनायक, राजू प्रजापति, विनय प्रजापति लेखराज आदि मौजूद रहे।

याद कर लीजिए हाइट और वजन का ये फॉर्मूला!

एक इंसान का नॉर्मल वजन कितना होना चाहिए अगर आप ओवरवेट हैं तो ऐसे पता कर सकते हैं. वजन मापने के लिए बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स का सहारा लिया जाता है. इसके लिए एक खास तरह का फॉर्मूला होता है. इसके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आपके शरीर के लिए वजन कितना होना चाहिए. उम्र, लिंग, मांसपेशियों, शरीर में जमा फैट के आधार पर बीएमआई प्रभावित कर सकते हैं. अगर आपको जानना है कि वजन कितना होना चाहिए तो आप चार्ट के हिसाब के अपना वजन मेंटेन में रख सकते हैं. सही वजन निकालने का भी फॉर्मूला होता है. इससे पहले लंबाई या हाईट के हिसाब से सही वजन का चार्ट देखिए.

चाहे आप वजन कम करने, बढ़ाने या बनाए रखने की कोशिश कर रहे हों. अपने आदर्श शरीर के वजन को जानने से आपको लक्ष्य निर्धारित करने में मदद मिल सकती है. आपका आदर्श शरीर का वजन आनुवंशिकी, आयु, लिंग और मांसपेशियों के द्रव्यमान से निर्धारित होता है. आपके शरीर में कितनी वसा है, यह आपको मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर जैसी बीमारियों के जोखिम को समझने में मदद कर सकता है, जो मोटापे से जुड़ी हो सकती हैं.

लंबाई और वजन का अनुपात

1- अगर आपकी लंबाई 4 फीट 1० इंच है तो आपका सामान्य वजन 41 से 52 किलोग्राम होना चाहिए. अगर इससे ज्यादा वजन है तो आपकी सेहत के लिए ये ठीक नहीं है.

2- अगर आपकी हाइट 5 फीट है तो आपका सामान्य वजन 44 से 55.7 किलोग्राम के बीच होना चाहिए.

3- अगर आपकी लंबाई 5 फीट 2 इंच है तो आपका वजन 49 से 63 किलोग्राम के बीच होना चाहिए.

4- आपकी लंबाई 5 फीट 4 इंच है तो आपका वजन 49 से 63 किलोग्राम के बीच होना चाहिए

5- वहीं 5 फीट 6 इंच लंबे शख्स का वजन 53 से 67 किलोग्राम तक होना चाहिए.

6- अगर आपकी लंबाई 5 फीट 8 इंच है तो आपका सामान्य वजन 56 से 71 किलोग्राम तक होना चाहिए.

7- जिसकी लंबाई 5 फीट 1० इंच है उसका वजन 59 से 75 किलोग्राम तक होना चाहिए.

8- अगर आपकी हाइट 6 फीट है तो आपका सामान्य वजन 63 से 8० किलो के बीच होना चाहिए.

बच्चों को रचनात्मक बनाने के लिए अपनाएं ये 5 सरल और प्रभावी तरीके

बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना एक अहम कार्य है।कहानी सुनाना इस दिशा में एक बेहतरीन तरीका हो सकता है। यह न केवल बच्चों की कल्पना शक्ति को प्रोत्साहित करता है, बल्कि उन्हें नई चीजें सीखने और समझने का भी मौका देता है।कहानियों के माध्यम से बच्चे नए विचारों को सोचने लगते हैं और उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है।आइए जानें कि कहानियों के साथ-साथ और किन तरीकों से बच्चों को रचनात्मक बनाया जा सकता है।

बच्चों को खुद कहानियां बनाने के लिए प्रेरित करें।उन्हें एक शुरुआत दें और फिर उनसे पूछें कि आगे क्या हुआ होगा। इससे उनकी कल्पना शक्ति का विकास होता है और वे नए-नए विचार सोचने लगते हैं।आप उन्हें अलग-अलग पात्रों, स्थानों और घटनाओं के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं।इसके अलावा बच्चों को अपनी कहानियों में खुद की समस्याओं का समाधान ढूंढने के लिए भी प्रेरित करें, जिससे उनकी समस्या-समाधान क्षमता भी बढ़ेगी।

कहानियों को अधिक रोचक बनाने के लिए चित्रों का उपयोग करें।बच्चे चित्र देखकर आसानी से समझ पाते हैं और उनकी रुचि बनी रहती है। आप किताबों या इंटरनेट से चित्र निकालकर दिखा सकते हैं या खुद भी कुछ सरल चित्र बना सकते हैं।बच्चों को कहानियों के पात्रों और घटनाओं के चित्र बनाने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनकी कल्पना शक्ति और रचनात्मकता में वृद्धि होगी। इस तरह वे कहानी को बेहतर समझेंगे और उसमें अधिक रुचि लेंगे।

कहानी सुनाते समय संवाद पर खास ध्यान दें। बच्चों को अलग-अलग पात्रों की आवाजें निकालकर दिखाएं और उनसे भी ऐसा करने को कहें।इससे उनकी भाषा कौशल में सुधार होता है और वे बेहतर तरीके से अपनी भावनाओं को व्यक्त कर पाते हैं।आप बच्चों को संवाद के माध्यम से कहानी में शामिल करें, जिससे उनकी सोचने और बोलने की क्षमता बढ़ेगी। इस तरह वे कहानी को अधिक जीवंत और रोचक पाएंगे, जिससे उनकी रचनात्मकता में वृद्धि होगी।

नियमित रूप से समय निकालें

रोजाना कहानी सुनाने का समय निर्धारित करें ताकि यह एक आदत बन जाए।इससे बच्चे न केवल उत्सुक रहते हैं, बल्कि उनके दिमाग का विकास भी होता है क्योंकि वे हर दिन कुछ नया सीखते हैं।इससे उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे नए विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं।इस प्रकार कहानी सुनाना बच्चों की रचनात्मकता और मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी साबित हो सकता है।

कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे के इस्तेमाल से आप माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं

आजकल हर दूसरा व्यक्ति माइग्रेन की समस्या से परेशान हैं। इस परेशानी की गिरफ्त में आने की मुख्य वजह खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान है। माइग्रेन से पीड़ित व्यक्ति को बेहद असहनीय दर्द का सामना करना पड़ता है। खासकर सर्दियों के मौसम में तो माइग्रेन का दर्द जीना मुहाल कर देता है। सिर में हवा लगने, ठंड के चलते, खून का बहाव कम होने और आदि कारणों की वजह से दर्द का सामना करना पड़ता है। जब भी ये दर्द होता है तो किसी भी काम को करना काफी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में दवा भी काम नहीं आती और तो और कई मामलों में इंजेक्शनों तक लेने की नौबत आ जाती है। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे के बारे में जिनके इस्तेमाल से आप माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं।

माइग्रेन सिरदर्द की समस्या का ही एक प्रकार है जिसमें सिर्फ सिर के आधे हिस्से में होता है। कई बार यह दर्द इतना तेज होता है कि इसे बर्दाश्त कर पाना काफी मुश्किल होता है। माइग्रेन की समस्या होने पर घबराहट, उल्टियां, आँखो में दर्द होना, जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

मुलेठी

आयुर्वेदिक जड़ी बूटी मुलेठी कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल पौधे के तने की छाल को सुखाकर किया जाता है। ये एक ऐसा घरेलू नुस्खा है जिसका इस्तेमाल कई बीमारियों से बचने के लिए किया जा सकता है। अगर आपको माइग्रेन की समस्या हैं तो मुलेठी पाउडर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस आप शहद में मुलेठी पाउडर मिलाकर इसकी कुछ बूंदे नाक में डाल लें। इससे आपको काफी राहत मिलेगी।

मखाना और खसखस

मखाना और खसखस एक ऐसा आर्युवेदिक उपाय है जिसे भयंकर माइग्रेन में भी राहत मिलती है। इसके लिए बस आप मखाना और खसखस की खीर बनाकर इसका सेवन करें।

अश्वगंधा

अश्वगंधा कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में कारगर है। ये माइग्रेन की समस्या में भी काफी लाभदायक मानी जाती है। इसके लिए बस आप अश्वगंधा की जड़ को उबालकर इसे दूध के साथ खाएं। इससे माइग्रेन के दर्द में काफी मदद मिलती है। इसके अलावा दूध के साथ अश्वगंधा चूर्ण का सेवन करने से इम्यूनिटी बूस्ट करने में मदद मिलती है।

लौंग का पाउडर

अगर आपको सिर में बहुत तेज दर्द है तो इसमें लौंग का पाउडर आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए बस आप लौंग के पाउडर में नमक मिलाकर, दूध के साथ इसका सेवन करें। इससे आपको तुरंत राहत मिलेगी।

लैवेंडर ऑयल

लैवंडर ऑयल माइग्रेन के दर्द को दूर करने में काफी असरदार होता है। इसमें एंटी-एंग्जायटी और एंटीडिप्रेसन्ट गुण मौजूद होते हैं जो देर्द में आराम दिलाते हैं। इसके लिए आप करीब 15 मिनट तक लैवंडर ऑयल को इनहेल कर सकते हैं।

लेदर के फर्नीचर की सफाई करते समय भूल से भी न करें ये गलतियां

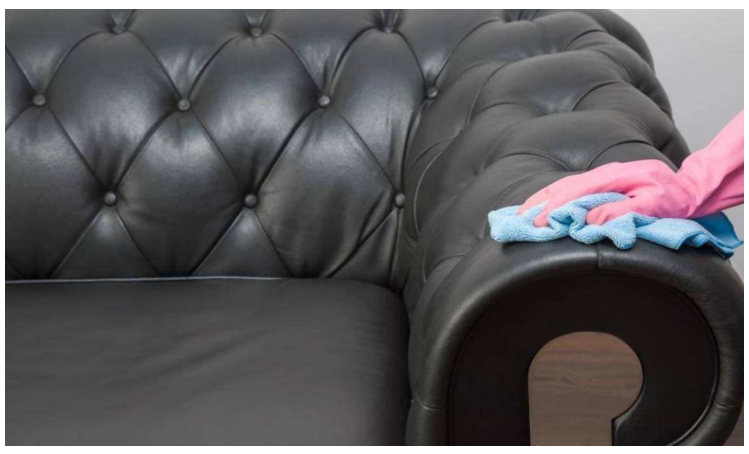

लेदर का फर्नीचर तभी लंबे समय तक ठीक रह सकता है, जब उसकी सफाई बेहतर तरीके से की जाए। हालांकि, कई लोगों से लेदर के फर्नीचर की सफाई करते समय अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जिनकी वजह से मेहनत से की गई सफाई पर न सिर्फ पानी फिर सकता है बल्कि लेदर का फर्नीचर भी खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको ऐसी ही कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

अगर आप नहीं चाहते हैं कि आपका लेदर का फर्नीचर जल्दी खराब हो तो इस पर लगे लेबल के दिशानिर्देशों के अनुसार ही इसकी साफ-सफाई करना सुनिश्चित करें। दरअसल, लेबल पर लिखी जानकारी आपके लेदर के फर्नीचर को लंबे समय तक के लिए नया जैसा बनाए रखने में काफी मददगार साबित हो सकता है। हालांकि, अगर आपके फर्नीचर पर कोई लेबल लगा हुआ नहीं है तो जहां से आपने उसे खरीदा है वहीं से इसकी सफाई से संबंधित जानकारी लें।

कई लोग लेदर के फर्नीचर की सफाई के लिए पानी का इस्तेमाल करते हैं, जो कि गलत है। दरअसल, पानी से लेदर का फर्नीचर बहुत जल्दी खराब हो सकता है, इसलिए अगर आपने हाल ही नया लेदर का फर्नीचर लिया है तो ऐसी गलती न करें। बेहतर होगा कि आप पानी की जगह लेदर क्लीनर से अपने लेदर के फर्नीचर को साफ करें। यह न सिर्फ आपके लेदर के फर्नीचर को साफ करेगा बल्कि उनमें चमक भी बनाए रखेगा।

रोजाना लेदर के फर्नीचर की धूल-

मिट्टी को साफ करना जरूरी है, लेकिन डस्टिंग के लिए हार्ड ब्रश का इस्तेमाल करना सबसे बड़ी गलती है क्योंकि हार्ड ब्रश से लेदर के फर्नीचर पर खरोंच लग जाती है और फर्नीचर बेकार दिखने लगता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप लेदर के फर्नीचर को साफ करने के लिए सॉफ्ट ब्रश का ही इस्तेमाल करें। अगर आपके पास सॉफ्ट ब्रश न हो तो आप एक मुलायम कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं।

अगर आप अपने लेदर के फर्नीचर को लंबे समय तक के लिए नया जैसा बनाए रखना चाहते हैं तो उसको धूप की पहुंच से दूर रखें क्योंकि धूप के प्रभाव से फर्नीचर का रंग हल्का पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त, धूप के प्रभाव से लेदर के फर्नीचर में क्रैक्स आने की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए लेदर के फर्नीचर को धूप में रखने से बचें और इसके साथ ही लेदर के फर्नीचर की रोजाना कंडीशनिंग करें।

मसल्स बनाने के लिए ये हैं प्रोटीन के सबसे बड़े सोर्स

प्रोटीन मसल्स बनाने के लिए बेहद जरूरी है। ये मसल्स के टिश्यू की रिपेयरिंग और रखरखाव में मदद करता है। शरीर में प्रोटीन (क्कह्म्शह्लद्गद्बठ्ठ) की कमी से कई समस्याएं हो सकती हैं। द अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन के अनुसार, एक सामान्य वयस्क व्यक्ति को शरीर के प्रति किलोग्राम पर ०.8 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए।

हालांकि, हाल ही में आए एक नए रिसर्च में पता चला है कि मसल्स बनाने वालों को इससे ज्यादा प्रोटीन की जूररत पड़ती है। इससे शरीर ताकतवर और गठीला बनता है। ऐसे में आइए जानते हैं प्रोटीन के सबसे बड़े सोर्स क्या हैं और इन्हें डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं।।।

प्रोटीन के 6 सबसे बड़े सोर्स

चिकन

चिकन की 3 औंस सर्विंग में ही 27 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। यह हाई रिच प्रोटीन फूड है। सिंपल बेक्ड लेमन-पेपर चिकन या क्रीमी परमेसन गार्लिक मशरूम चिकन रेसिपी अपने डिनर में शामिल कर शरीर की जरूरत का प्रोटीन पा सकते हैं।

सैल्मन

सैल्मन हेल्दी फैट और हार्ट के लिए बेहतरीन फूड सोर्स है। इसमें प्रोटीन खूब पाया जाता है। सैल्मन की 3 औंस सर्विंग में ही 19 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। हफ्ते में कम से कम दो बार इस मछली खाने से वीकली प्रोटीन रोटेशन पूरा होता है।

अंडे

अंडा भी प्रोटीन रिच फूड है। 1 बड़े अंडे में ही 6 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। तले हुए या सख्त उबले अंडे खा सकते हैं। 1० मिनट के पालक ऑमलेट और अंडे के सलाद जैसी रेसिपी बनाकर डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पीनट बटर (मुंगफली)

अगर आप नॉनवेज नहीं खाते हैं तो प्लांट बेस्ड प्रोटीन रिच फूड में सबसे ज्यादा प्रोटीन पीनट बटर में पाया जाता है। 2 बड़े चम्मच पीनट पटर में ही 7 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है। पीनट बट को क्लासिक पीनट बटर और जेली सैंडविच में खा सकते हैं। इसे पीनट ड्रेसिंग में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। चलते-फिरते समय कुछ पीनट बटर एनर्जी बॉल्स बनाकर खा सकते हैं।

लो फैट पनीर

क्रीमी कॉटेज पनीर प्रोटीन का एक नेचुरल सोर्स है। इसे आसानी से संतुलित आहार में शामिल कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल क्रीमी पालक डिप और फ्लोरेंटाइन लासग्ना रोल-अप जैसी रेसिपी में कर सकते हैं। 1/2 कप लो फैट पनीर की सर्विंग में ही 12 ग्राम प्रोटीन मिल जाता है।

दाल

दाल बेहतरीन प्लांट-बेस्ड प्रोटीन सोर्स है। यह मैक्रो से भरपूर होता हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, फाइबर, विटामिन और खनिज भी खूब पाए जाते हैं। शाकाहारी लोगों के लिए अच्छा प्रोटीन सोर्स है। 1 कप पकी दाल में 18 ग्राम प्रोटीन मिलता है। दाल के सूप से लेकर तले हुए अंडे और साग के साथ दाल को डाइट में शामिल कर सकते हैं। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

क्या दांतों का रूट कैनाल ट्रीटमेंट बन सकता है हार्ट अटैक की वजह, जानें इस बात में है कितनी सच्चाई ?

ये बात वाकई अजीब लगती है जब कोई कहता है कि दांत की सर्जरी के बाद दिल का दौरा पड़ सकता है। वाकई सोचने वाली बात है कि दांत का दिल से क्या कनेक्शन? अगर आप भी से कंफ्यूजन में है कि यह सच है या सिर्फ एक मिनट तो चलिए आपको बताते हैं इस खबर में आखिर इस बात में कितनी सच्चाई है।

बहुत से लोग रूट कैनाल थेरेपी को एक रेगुलर डेंटल सर्जरी के तौर पर करवाते हैं ताकि दांतों को डैमेज या इन्फेक्टेड होने से बचाया जा सके। एक सुरक्षित माने जाने के बावजूद रूट कैनाल थेरेपी को लेकर यह डाउट जरूर होता है कि इसका संबंध दिल के दौरे से पड़ सकता है।

रूट कैनाल एक डेंटल ऑपरेशन है जिसका उपयोग दांत के कोर से रोगग्रस्त टिशू को निकालने के लिए किया जाता है। आगे के नुकसान को रोकने के लिए, डेंटिस्ट खाली जगह को भरकर बैक्टीरिया और सड़न को हटाते हैं। कोई दांत जिसे निकालने की जरूरत हो सकती है, उसे इस तकनीक से बचाया जा सकता है। वैसे तो रूट कैनाल ट्रीटमेंट एक सामान्य प्रक्रिया है इसमें किसी भी तरह के समस्याओं की संभावना बहुत कम होती है। क्योंकि लोकल एनेस्थीसिया देकर इसे किया जाता है।

ऐसे कहा जाता है कि रूट कैनाल ट्रीटमेंट दिल के दौरे या दूसरी हार्ट की समस्याओं से जुड़ा हो सकता है। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच है जिनका हार्ट डिसीज की कोई हिस्ट्री नहीं है। दरअसल ये डर इस बात से निकाल कर आया है कि रूट कैनाल प्रक्रिया के दौरान लोक बैक्टीरिया ब्लड स्ट्रीम में इंटर कर सकते हैं जिससे हार्ट सहित शरीर के बाकी अंगों में सूजन या इंफेक्शन हो सकता है।

एंडोडोंटिक थेरेपी और इंसिडेंट कार्डियोवैस्कुलर डिजीज= द एथेरोस्क्लेरोसिस रिस्क इन कम्युनिटीज स्टडी के अध्ययन के अनुसार, इस बात कोई ठोस सबूत नहीं हैं कि रूट कैनाल ट्रीटमेंट सीधे दिल के दौरे का कारण बनते हैं। हालाँकि रूट कैनाल के इस्तेमाल से सीधे हार्ट अटैक होने का पता नहीं चला है, लेकिन हार्ट डिसीज और डेंटल हेल्थ के बीच एक स्ट्रांग कनेक्शन है। बैड डेंटल हाइजीन मसूड़ों की बीमारी जैसी बीमारियों का कारण बन सकती है, जो बैक्टीरिया को ब्लड फ्लो में प्रवेश करने की अनुमति देकर हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ाती है। मसूड़ों की बीमारी वाले लोगों में हार्ट डिसीज अधिक आम हैं, लेकिन यह जोखिम सीधे रूट कैनाल थेरेपी से जुड़ा नहीं है बल्कि, यह ओवरऑल डेंटल हेल्थ से संबंधित है।

अगर आप अच्छी ओरल हाइजीन मेंटेन करके रखते हैं और आपके हाथ से जुड़ी कोई समस्या नहीं है तो रूट कैनाल ट्रीटमेंट करवाने के बारे में चिंता करने की कोई वजह नहीं है। यह एक नॉर्मल ट्रीटमेंट है, तो आपके हार्ट को कोई बड़ा जोखिम दिए बिना डेंटल हेल्थ को बनाए रखने में मदद करती है। पहले से हार्ट डिजीज वाले मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत जरूर हो सकती है।

शब्द सामर्थ्य -113

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

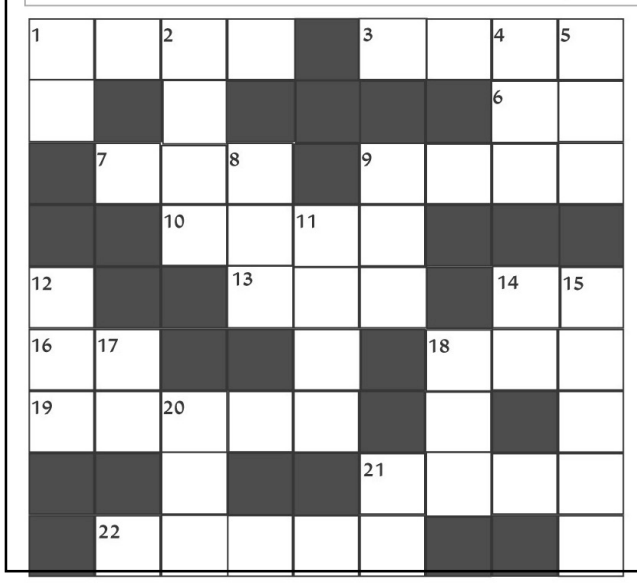

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 112 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द		स	पू	त
ल		ब	ल	वा	न			द
म	ह	क		खा	म	खां		बी
ग्न		त	ल	ना		स	फ	र
	म	रा				ना	टा	
	हि		स				फ	न
	ला	ज	वा	ब		म	ट	र
मां		ग		सं	त	ति		भ
	मा	त	ह	त			प	क्षी

अमेरिकन एक्ट्रेस ओलिविया मुन्न के लिए 'ओरिगेमी से भी ज़्यादा मुश्किल है' बेबी रैप

अभिनेत्री ओलिविया मुन्न को अभी भी पेरेंटिंग कला में पूरी तरह महारत हासिल नहीं है। 44 वर्षीय अमेरिकी अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसका मकसद फैलो मॉम से बेबी रैप का सही तरीके से उपयोग करने की सलाह लेना था, ताकि वह अपनी 3 हफ्ते की बेटी मेई को सीने से लगाकर घूम सकें। इस वीडियो में मुन्न अपनी बेटी के साथ किचन में खड़ी हैं। थोड़ी कंफ्यूज हैं और कह रही हैं, मुझे पता है कि मैं यह गलत कर रही हूं, इसलिए मैं ऐसे ही रहने दे रही हूं।

मुन्न ने गुजरे वक्त को याद किया। उन्होंने अपने 2 साल के बेटे मैल्कम का जिक्र करते हुए कहा, मैं मैल्कम के समय से ही एक मॉम रैप बनाना चाहती थी, लेकिन मैं कभी नहीं समझ पाई। यह बहुत मुश्किल है। मुन्न ने इसके बाद करीने से समझाया है कि रैप होता क्या है? बोले, अगर आपको नहीं पता कि यह क्या है, तो यह एक

बड़ा, लंबा कपड़ा होता है जिसे आप अपने चारों ओर लपेटते हैं और यह आपके बच्चे को आपसे चिपका कर रखता है। इस वजह से आपके हाथ खाली होते हैं और आप कोई दूसरा काम कर सकते हैं - लेकिन क्या करूं मैं तो अब तक इसे समझ नहीं पाई हूं।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जो मां ऐसा कर सकती हैं, वे क्वीन हैं। इसके साथ ही उन्होंने माना कि वह अभी भी अपनी बेटी को सही तरीके से लपेटने के सबसे अच्छे ट्यूटोरियल की तलाश में हैं। बोलती हैं, यह बहुत मुश्किल है। यह ओरिगेमी से भी ज्यादा मुश्किल है। यह बहुत पागलपन भरा है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है। मैंने यूट्यूब, इंस्टाग्राम, टिकटॉक सब देखा है। और वहां कई मां आपको बताएंगी कि यह मुश्किल नहीं है, लेकिन यह है। यह बहुत कठिन है।

इस पोस्ट पर मुन्न के कई प्रशंसकों और मांओं ने बेबी-वियरिंग रैप के इस्तेमाल का सही तरीका समझाया है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा है, क्या आपके आस-पास कोई स्लिंग/रैप लाइब्रेरी है? दूसरे यूजर ने अपना अनुभव शेयर किया। कहा, मैं एक महिला के पास गई और उन्होंने मुझे अलग-अलग विकल्प समझाए। अगर आपको रैप से परेशानी हो रही है, तो आप हमेशा कैरियर का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप नवजात के लिए उपयुक्त कैरियर पा सकते हैं और उनका इस्तेमाल करना बहुत आसान है। मैं एक बेबी स्टोर पर गया और उनसे इसे अपने ऊपर बांधने को कहा और फिर मैंने उनके सामने करीब पांच बार अभ्यास किया।

वर्ल्ड वाइड 200 करोड़ के क्लब में शामिल हुई वेट्टैयन

बीती 10 अक्टूबर को प्रदर्शित हुई रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन वैश्विक स्तर पर 200 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 133 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। वैश्विक स्तर पर इसने 69 करोड़ का कारोबार किया है। अब फिल्म का कलेक्शन थमने लगा है। 6वें दिन फिल्म ने करीब 4 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है।

फिल्म को तमिल में भारी कामयाबी मिली है लेकिन शेष भाषाओं में इसे असफलता हाथ लगी है। गोट फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 447 करोड़ रुपये रहा है। फिल्म में साउथ सिनेमा के बड़े स्टार शामिल थे। जिनमें राणा दग्गुबाती और फहद फासिल जैसे नाम शामिल हैं।

ट्रेडिंग वेबसाइट सेकनिल्क के मुताबिक वेट्टैयन ने छठवें दिन 4.3 करोड़ रुपयों का कलेक्शन किया है। इस कलेक्शन के साथ फिल्म ने भारत में ही 133.8 करोड़ रुपयों की कमाई कर ली है। वहीं फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 200 करोड़ पार कर गई है। हालांकि अब फिल्म की रफ्तार बॉक्स ऑफिस पर धीमी पड़ रही है। लेकिन अब तक फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और रजनीकांत की जोड़ी भी बड़े पर्दे पर 33 साल बाद लौटी थी। फिल्म में रजनीकांत ने लीड रोल निभाया है और राण दग्गूबाती भी अहम किरदार में नजर आए हैं। अमिताभ बच्चन के किरदार की भी खूब तारीफ की गई है।

वहीं फिल्म ने 6वें दिन ही 200 करोड़ी क्लब में एंट्री ले ली है। फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 202.80 करोड़ रुपये पहुंच गया है। फिल्म ने भारत में कुल 133 करोड़ रुपयों की कमाई की है। वहीं 69 करोड़ रुपये विदेशों से भी फिल्म ने कमाए हैं। अभी भी फिल्म सिनेमाघरों में चल रही है। हालांकि अब फिल्म की रफ्तार धीमी पड़ गई है।

अब दर्शकों को दीपावली पर रिलीज होने वाली 2 बड़ी फिल्मों का इंतजार है। आने वाले 1 नवंबर को सिनेमाघरों में अजय देवगन स्टारर फिल्म सिंघम अगेन और कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म भूल भुलैया 3 एक साथ दस्तक देने वाली हैं। ये दोनों ही फिल्म सुपरहिट सीरीज का तीसरा पार्ट हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने धमाकेदार डांस मूव्स से मचाई धूम

भुल भुलैया 3 के मच अवेटेड टाइटल ट्रैक का इंतज़ार खत्म हो गया है! टी-सीरीज़ और भूषण कुमार ने भारत के सिनेमा में सबसे आईकॉनिक म्यूजिकल सहयोग को बनाकर इतिहास रच दिया है। मेकर्स ने अभी-अभी मच अवेटेड भूल भुलैया 3 का टाइटल ट्रैक रिलीज किया है, जिसमें इंडिया के पॉपुलर स्टार कार्तिक आर्यन हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि यह ट्रैक चार्ट के साथ साथ दिलों पर भी राज करने वाला है। ये ट्रैक एक विजुअल ट्रीट है, जिसमें कार्तिक आर्यन अपने स्लीक, स्मूथ और कैची स्पूकी स्लाइड डांस मूव्स के साथ स्क्रीन पर छा रहे हैं।

इस ट्रैक को खास बनता है इंटरनेशनल स्टार पिटबुल का परफेक्ट रैप जो हरे राम-हरे कृष्णा मंत्र के साथ ब्लेंड कर रहे है। साथ ही, पंजाबी सेंसेशन दिलजीत दोसांझ अपना अनोखा स्टाइल लाते हैं, और नीरज श्रीधर हिंदी वोवल्स को संभालते हैं। यह सभी मिल कर, भूल भुलैया फ्रेंचाइजी की असली एसेंस को बनाए रखते हैं, साथ ही मॉडर्न और इंटरनेशनल ट्विस्ट भी देते हैं। म्यूजिक माइस्ट्रॉस प्रीतम और तनिष्क बागची की लीडरशिप में, और नीरज श्रीधर की पहचानी जानी वाली आवाज से उनका सिग्नेचर टच मिलता है। ये ट्रैक ग्लोबल बीट्स और देसी फ्लेयर का एक परफेक्ट मिक्स है, जो संस्कृतियों को अच्छे से ब्लेंड करता है।

भूषण कुमार ने भारतीय सिनेमा के लिए एक अनोखा सहयोग किया है। इस उपलब्धि के बारे में बात करते हुए वे कहते हैं, हम भूल भुलैया 3 के लिए इस स्पेशल म्यूजिकल सहयोग को पेश करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। पिटबुल, दिलजीत दोसांझ और नीरज श्रीधर को एक साथ

लाना कुछ ऐसा है जो भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं किया गया है। प्रीतम और तनिष्क बागची द्वारा बीट्स तैयार करने के साथ, हम बॉलीवुड म्यूजिक की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। और सबसे बढकर, इस ट्रैक में सभी के पसंदीदा कार्तिक आर्यन अपने बेहतरीन चार्मिंग अंदाज में नजर आ रहे हैं, जिसमें शानदार ग्लाइडिंग डांस मूव्स दिखाए गए हैं, जो बिना किसी शक सभी को थिरकने पर मनबूर कर देंगे। यह सहयोग एक माइलस्टोन है और हम दुनिया भर के फैंस द्वारा इसका अनुभव करते हुए देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

अनीस बज़्मी द्वारा निर्देशित और भूषण कुमार द्वारा निर्देशित, भूल भुलैया 3 बॉलीवुड की पसंदीदा हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइज़ी की विरासत को आगे बढ़ाने का वादा करती है, और इस शानदार टाइटल ट्रैक के साथ इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है।

चिल्स, थ्रिल्स और यादगार म्यूजिक से भरी दिवाली के लिए तैयार हो जाइए! और ज्यादा एक्साइटिंग अपडेट के लिए बने रहें क्योंकि भूल भुलैया 3, इस 1 नवंबर, 2024 को अपनी ग्रैंड रिलीज़ के लिए तैयार है।

हॉलीवुड जाने की तैयारी में विजय वर्मा

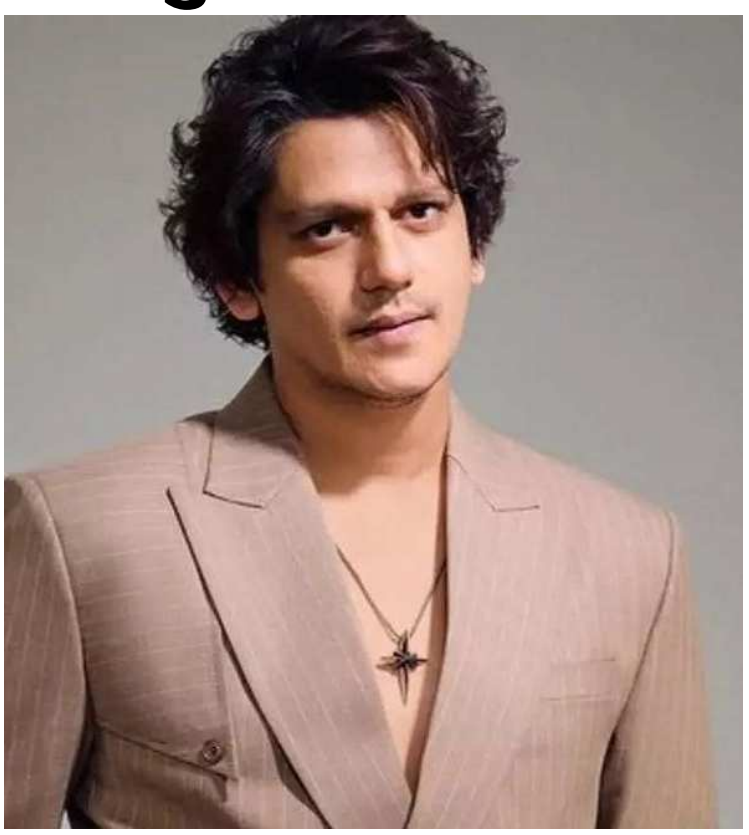

बॉलीवुड फिल्मों में अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले एक्टर विजय वर्मा अब लीड हीरोज में गिने जाते हैं। विजय वर्मा ने बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों और सीरीज में काम किया है। विजय वर्मा हाल ही में डायरेक्टर अनुभव सिन्हा की नेटफ्लिक्स सीरीज IC-814 कंधार हाईजैक में अहम किरदार में नजर आए थे। अब विजय वर्मा बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड का भी सपना देख रहे हैं।

विजय वर्मा ने हाल ही में अपने हॉलीवुड डेब्यू को लेकर खुलासा किया है। विजय वर्मा ने वैराइटी मैग्जीन से बात करते हुए बताया, हॉलीवुड में जाने का ये सबसे बढिया समय है। अब सिनेमा में कलरब्लाइंड कास्टिंग होने लगी है। इसके कारण मौके काफी बढ़ गए हैं। इंटरनेशन मेकर्स भी बॉलीवुड के कलाकारों को मौका दे रहे हैं। मेरी कुछ मेकर्स से बात चल रही है। अगले साल की शुरुआत में मैं उम्मीद कर रहा हूं कि कुछ काम का मौका बन सकता है। लेकिन अभी मैं अपने पुराने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हूं।

विजय वर्मा आज बॉलीवुड के लीड एक्टर्स में गिने जाते हैं और खूब पसंद भी किए जाते हैं। विजय वर्मा ने अपने करियर की शुरुआत छोटे किरदारों से की थी। महज चंद सालों में विजय वर्मा ने बॉलीवुड में अपनी जमीन तलाशी है। साल 2010 में विजय वर्मा ने फ्लाइंग हाई नाम के प्रोजेक्ट्स से अपने करियर की शुरुआ की थी। इससे पहले कुछ यूट्यूब सीरीज और शॉर्ट फिल्मों में काम कर चुके थे। लेकिन रंगरेज फिल्म में विजय वर्मा ने अहम किरदार निभाया था। पिंक फिल्म में भी विजय वर्मा ने बड़ा रोल किया था।

साल 2019 में आई सुपरहिट फिल्म गली बॉय में भी विजय वर्मा ने अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीता था। यहीं से विजय वर्मा स्टार बने थे। अब विजय वर्मा अपने हॉलीवुड डेब्यू की तैयारी में जुट गए हैं।

भाजपा का रिकॉर्ड बाकी पार्टियों से बहुत बेहतर

एस. सुनील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के चुनाव प्रचार में कहा था कि हरियाणा कांग्रेस के लिए मध्य प्रदेश साबित होगा। उनकी बात सौ फीसदी सही साबित हुई। जिस तरह से मध्य प्रदेश में कांग्रेस हारी वैसे ही हरियाणा में जीत का पूरा माहौल बनाने और नैरेटिव सेट करने के बावजूद कांग्रेस हार गई क्योंकि वह न तो हरियाणा की 10 साल की डबल इंजन सरकार के प्रति बने प्रो इन्कम्बैंसी को समझ पाई और न कांग्रेस विरोध की अंतर्धारा को समझ पाई। जम्मू कश्मीर में भी नेशनल कॉन्फ्रेंस की जीत हुई है, कांग्रेस तो बुरी तरह से हारी ही है। उसकी सीटें 12 से घट कर छह रह गईं और भाजपा की 25 से बढ़ कर 29 हो गईं। असल में इस वास्तविकता को ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक नजरअंदाज कर रहे हैं कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकारों के खिलाफ अपवाद के तौर पर ही कहीं एंटी इन्कम्बैंसी यानी सत्ता विरोधी माहौल पैदा हो रहा है। ज्यादातर जगहों पर प्रो इन्कम्बैंसी यानी सत्ता समर्थन की लहर पैदा हो रही है, जिससे एनडीए की सरकारें बार बार सत्ता में वापसी करती हैं।

इस बात को आंकड़ों के आधार पर भी समझा जा सकता है। केंद्र में ही देखिए तो 5० साल के बाद ऐसा हुआ कि कोई सरकार लगातार तीसरी बार जीती। श्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के पंडित नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी की। 1977 में कांग्रेस जब पहली बार हार कर सत्ता बाहर हुई तो उसके बाद किसी भी पार्टी की सरकार लगातार तीसरी बार नहीं लौटी। वह रिकॉर्ड श्री नरेंद्र मोदी ने तोड़ा। इसी तरह अनेक राज्यों में देखा जा सकता है। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की ज्यादा बहुमत और ज्यादा वोट के साथ सरकार बनी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, असम, त्रिपुरा, गोवा, मध्य प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड यानी 12 राज्यों में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने लगातार दो बार या उससे ज्यादा बार सरकार बनाई। इसके मुकाबले कुछ प्रादेशिक पार्टियों की तो सरकारें वापस लौटी हैं लेकिन कांग्रेस ने पिछले 1० साल में किस भी राज्य में लगातार दो बार सरकार नहीं बनाई है। इसका मतलब है कि कांग्रेस की जहां भी सरकार बनती है वहां पांच साल में उसके खिलाफ सत्ता विरोधी माहौल बन जाता है और लोग उसे हरा देते हैं। एक दिलचस्प आंकड़ा यह भी है कि दिल्ली जैसे अपवाद को छोड़ दें तो भाजपा लगातार 1० साल तक किसी भी राज्य में मुख्य विपक्षी पार्टी नहीं रही है। यानी वह जहां एक बार मुख्य विपक्षी पार्टी बनती है वहां वह पांच साल में सत्ता में वापसी करती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि इसकी मिसाल हैं।

इन दोनों आंकड़ों को प्रकट करने का उद्देश्य यह बताना था कि झारखंड में भाजपा पांच साल से मुख्य विपक्षी पार्टी है और इस बार उसके वहां सत्ता में वापसी करने का समय है तो महाराष्ट्र में भाजपा के गठबंधन की सरकार है, जिसके खिलाफ कोई सत्ता विरोधी माहौल नहीं है क्योंकि आमतौर पर एनडीए सरकारों के खिलाफ एंटी इन्कम्बैंसी नहीं होती है। इसलिए वहां भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगी। यह ध्यान रखने की जरुरत है कि 2०19 में भी भाजपा चुनाव नहीं हारी थी। पांच साल तक यानी 2०14 से 2०19 तक सरकार चलाने के बाद जब भाजपा और शिव सेना गठबंधन चुनाव में गया तब कहा जा रहा था कि एंटी इन्कम्बैंसी है और एनडीए चुनाव हार जाएगा। लेकिन इसका उलटा हुआ। एनडीए को 161 सीटें मिलीं, जिसमें भाजपा ने 1०5 और शिव सेना ने 56 सीटें जीतीं। दोनों को मिला कर 42 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। लेकिन चुनाव के बाद श्री उद्धव ठाकरे ढाई ढाई साल की सत्ता के लिए अड़ गए, जिसकी वजह से गठबंधन टूटा और कांग्रेस, एनसीपी ने जनादेश को धोखा देकर श्री उद्धव ठाकरे के साथ सरकार बनाई। महाराष्ट्र की जनता उस धोखे का भी इस बार बदला लेगी।

कांग्रेस, उद्धव ठाकरे और शरद पवार का गठबंधन यानी महा विकास अघाड़ी लोकसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर इस उम्मीद में है कि उसकी जीत हो जाएगी। लेकिन लोकसभा चुनाव का नतीजा एक अपवाद था। उसमें भी अगर वोट के आंकड़े देखें तो भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन यानी महायुति को कांग्रेस गठबंधन के मुकाबले सिर्फ तीन फीसदी कम वोट मिले हैं। यानी वोट का अंतर सिर्फ तीन फीसदी है और उतने पर ही तकनीकी कारणों से सीटों का अंतर दोगुने का हो गया। अगर आंकड़ों की बात करें तो लोकसभा में भाजपा को सिर्फ नौ सीटें मिलीं, जबकि पिछली बार उसे 23 सीटें मिली थीं। यानी उसकी 14 सीटें कम हो गईं लेकिन उसको वोट का नुकसान सिर्फ 1.66 फीसदी का हुआ था। 2०19 में भाजपा को 27.84 फीसदी वोट मिले थे और 2०24 में 26.18 फीसदी वोट मिले। ध्यान रहे भाजपा ने पिछले चार चुनावों में 25 से 27 फीसदी का अपना वोट प्रतिशत बचाए रखा है।

जहां तक शिव सेना की बात है तो वह भी महाराष्ट्र के लोगों ने दिखा दिया कि असली शिव सेना श्री एकनाथ शिंदे की है। लोकसभा चुनाव में श्री उद्धव ठाकरे की शिव सेना 21 सीटों पर लड़ कर सिर्फ नौ सीट जीत पाई, जबकि एकनाथ शिंदे की शिव सेना ने 15 सीटें लड़ कर सात पर जीत हासिल की। ठाकरे के मुकाबले शिंदे की शिव सेना का स्ट्राइक रेट बेहतर रहा। शिव सैनिक पूरी तरह से उनके साथ रहे। उद्धव ठाकरे को कांग्रेस और एनसीपी का वोट मिला, जिसमें एक बड़ा हिस्सा उनके मुस्लिम वोट आधार का है। तभी हैरानी नहीं है कि श्री उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी के नेता स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व का रास्ता छोड़ कर मुस्लिम तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रहे हैं। जैसा केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि श्री उद्धव ठाकरे कांग्रेस और एनसीपी की सोहबत में औरंगजेब को अपना नायक बना रहे हैं। सो, तुष्टिकरण की राजनीति चाहे उद्धव ठाकरे करें या शरद पवार करें या कांग्रेस करे उसका कोई फायदा महाराष्ट्र में नहीं होना है। महाराष्ट्र में श्री एकनाथ शिंदे की भाजपा समर्थित सरकार ने %माझी लडकी बहिन योजना' के तहत महिलाओं को डेढ़ हजार रुपया महीना देना शुरू किया है। लाड़ला भाई योजना के तहत युवाओं को छह से 1० हजार रुपए महीना दिए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत 7० साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को पांच लाख रुपए तक की मुफ्त चिकित्सा की घोषणा की है। किसानों के लिए रबी की फसलों पर एमएसपी में बढ़ोतरी हुई है। एकीकृत पेंशन की योजना आई है। ऐसी तमाम सकारात्मक योजनाओं के दम पर भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों ने सत्ता के समर्थन की अंतर्धारा पैदा की है।

उधर झारखंड में पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के भ्रष्ट और परिवारवादी शासन से लोग ऊबे हुए हैं। वहां लोकसभा चुनाव में भाजपा को पिछली बार के मुकाबले तीन सीटों का नुकसान जरूर हुआ लेकिन अगर विधानसभा सीटों के हिसाब से देखें तो वह 5० से ज्यादा सीटों पर जीती थी। यानी लोकसभा चुनाव की तरह भी भाजपा गठबंधन का प्रदर्शन हो तो उसे 5० से ज्यादा सीटें मिलेंगी। झारखंड का विश्लेषण जो लोग भी 2०19 के विधानसभा चुनाव के नतीजों के आधार पर कर रहे हैं उनको समझदारी का नया चश्मा लगाने की जरुरत है। 2०19 में भी भाजपा हारी नहीं थी। पांच साल के शासन के बाद भी कोई एंटी इन्कम्बैंसी की लहर नहीं थी। उलटे श्री रघुवर दास के नेतृत्व में भाजपा का वोट 2.11 फीसदी बढ़ा था, जबकि जेएमएम के वोट में 1.71 फीसदी की कमी आई थी। इसके बावजूद जेएमएम को ज्यादा सीटें इसलिए मिल गईं क्योंकि भाजपा की गठबंधन की पुरानी सहयोगी आजसू अलग चुनाव लड़ी थी। उसने 53 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए और उसे आठ फीसदी से ज्यादा वोट मिले। इस बार का चुनाव पिछली बार से अलग इसलिए है क्योंकि आठ फीसदी की वोट पूंजी वाली आजसू भाजपा के साथ है और साढ़े पांच फीसदी वोट की पूंजी वाले श्री बाबूलाल मरांडी की भाजपा में वापसी हो गई है। यानी भाजपा के खाते में 13 फीसदी से ज्यादा वोट जुड़ा है। तभी लोकसभा में एनडीए का वोट 47 फीसदी पहुंच गया था।

यह जरूर है कि भाजपा आदिवासी सीटों पर नहीं जीत पाई लेकिन इसका यह कतई मतलब नहीं है कि आदिवासी भाजपा के विरोधी हैं। अगर सबसे बड़े वोट समूह यानी आदिवासी का वोट भाजपा को नहीं मिलता तो उसका वोट प्रतिशत 47 तक कैसे पहुंचता? भाजपा ने झारखंड के सबसे बड़े आदिवासी नेता और विकास पुरुष की छवि वाले श्री बाबूलाल मरांडी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है और दोनों पड़ोसी राज्यों छत्तीसगढ़ व ओडिशा में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया है। यह भी ध्यान रखने की जरुरत है कि झारखंड में आदिवासियों के सामने अस्तित्व का संकट है। बांग्लादेशी घुसपैठ से आदिवासी बहुल झारखंड की जनसंख्या संरचना बदल रही है। आदिवासियों की आबादी कम हो रही है। रोटी, बेटी और माटी का संकट खड़ा हो गया है। इसलिए भी आदिवासी समाज तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों से पीछा छुड़ा कर भाजपा का साथ देगा। आदिवासी हों या पिछड़े या सदान या सामान्य जाति के लोग पांच साल के जेएमएम, कांग्रेस और राजद के राज में सबने किसी न किसी तरह की मुश्किल झेली है। सरकार का पूरा कार्यकाल भ्रष्टाचार के आरोपों और लूट पाट वाला रहा है। चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार ने खजाना खोल कर अनेक सेवाएं और वस्तुएं मुफ्त देने का वादा किया है लेकिन इस मामले में भी भाजपा का रिकॉर्ड बाकी पार्टियों से बहुत बेहतर है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 113

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.112का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

कहीं गरम, नहीं नरम!

निज्जर हत्याकांड में कनाडा के हाथ ओटवा स्थित भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा और कई अन्य राजनयिकों तक पहुंचते दिखे। उसने इन राजनयिकों को 'पर्सन्स ऑफ इंटरेस्ट' घोषित कर दिया। कनाडाई कानून में 'पर्सन ऑफ इंटरेस्ट' उस व्यक्ति को कहा जाता है, जिसके पर किसी अपराध में शामिल होने के ठोस सबूत तो ना मिला हो, लेकिन शक हो कि संबंधित व्यक्ति की भूमिका हो सकती है। इसलिए उससे पूछताछ या उसकी जांच की जरूरत जांचकर्ता महसूस करते हों। कनाडा ने भारत से कहा कि इन राजनयिकों को मिला कूटनीतिक अभयदान वह हटा दे, ताकि उनके खिलाफ जांच हो सके। भारत ने इससे इनकार करते हुए कनाडा- खासकर कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिस ट्रुडो के खिलाफ बेहद सख्त बयान जारी किया।

अमेरिकी मीडिया के मुताबिक तब कनाडा ने वर्मा सहित छह नागरिकों को निष्कासित कर दिया, हालांकि भारत ने एलान किया कि उसने उन्हें वापस बुलाया है। बदले में भारत ने नई दिल्ली स्थित छह कनाडाई राजनयिकों को निकाल दिया। दूसरी तरफ खबर है कि अमेरिका स्थित खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के मामले में भारतीय जांचकर्ताओं ने अमेरिकी मांग के मुताबिक कथित 'सीसी-1' की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया है। जांच में प्रगति की सूचना देने एक भारतीय दल अमेरिका पहुंच रहा है। मगर पेच यह खबर है कि कनाडा में मारे गए खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप निज्जर के मामले में भी अमेरिका ने कनाडा सरकार के रुख का समर्थन किया है।

खबरों के मुताबिक अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों ने साझा तौर पर

इन दोनों मामलों में भारतीय अधिकारियों से कई दौर की वार्ता की है। अमेरिका और कनाडा फाइव आईज समझौते का हिस्सा हैं, जो आपस में साक्ष्य साझा करते हैं। इसलिए भारत सरकार का पन्नू और निज्जर मामलों में अलग-अलग रणनीति अपनाना संभवतः दीर्घकाल में कारगर ना हो। दोनों मामलों में भारत पर एक जैसे इल्जाम लगे, जिनका खराब असर भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ा है। इससे विदेश नीति में अमेरिकी धुरी को प्राथमिकता देने की नरेंद्र मोदी सरकार की रणनीति को झटका लगा है। इस मुश्किल से वह कैसे उबरती है, भारत की भावी अंतरराष्ट्रीय भूमिका काफी कुछ इस पर निर्भर करेगी।(आरएनएस)

मुख्य सचिव ने राज्य स्थापना सप्ताह के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी ने राज्य स्थापना सप्ताह के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विशेष दिशा निर्देश दिये।

आज यहां मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में राज्य स्थापना सप्ताह के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस का राज्य स्तर तथा जनपद स्तर पर भव्य आयोजन किया जाना हैं।

मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने कहा कि इस वर्ष उत्तराखण्ड राज्य के स्थापना के 24 वर्ष पूरे हो जाएंगे तथा 25वीं रजत जयन्ती की शुरूआत हो जाएगी, इसलिए प्रदेशवासियों के लिए इसका विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप उत्तराखंड के जनमानस, अन्य प्रदेशों व विदेश में रहने वाले प्रवासियों तथा उत्तराखंड के विकास में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भागीदार बनने वाले सभी लोगो को देवभूमि रजतोस्तव में भागीदार बनाया जाए। इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस 9 नवम्बर 2024 से अगले वर्ष 9 नवम्बर 2025 तक पूरे वर्ष मनाये जाने वाले ''देवभूमि रजतोत्सव'' की शुरूआत भी हो जाएगी।

इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस का आयोजन लगभग 6 नवम्बर से आरम्भ होकर सप्ताह भर तक किये जाने का प्रस्ताव है, जिसकी शुरूआत नई दिल्ली में उत्तराखण्ड सदन के शुभारम्भ, दिल्ली में रहने वाले विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत उत्तराखण्ड मूल के अधिकारियों, कार्मिकों व प्रवासियों की भागीदारी से आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है। इसके अगले क्रम में प्रवासी उत्तराखण्ड सम्मेलन के आयोजन, भव्य खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, महिला सशक्तीकरण की थीम पर विशेष उत्सव का आयोजन, जरूरतमंदों के लिए बहुद्देशीय शिविरों का आयोजन, मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का अयोजन, दिव्यांगों के लिए विशेष कार्यक्रम, विभिन्न सम्मान व पुरस्कार वितरण कार्यक्रमों का आयोजन, राज्य आन्दोलकारियों व शहीदों की गौरवगाथा जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने 24 वर्षों में राज्य की उपलब्धियों एवं विकास की सम्भावनाओं पर स्कूल व कॉलेज स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर इसमें युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने साल भर आयोजित होने वाले देवभूमि रजतोत्सव प्रदेश के सभी वर्गों, विशेषरूप से महिलाओं, स्कूली बच्चों व युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने मण्डल स्तर तथा जिला स्तर पर भी राज्य स्थापना दिवस को भव्यता से आयोजित किए जाने हेतु विशेष तैयारियों के निर्देश दिए हैं। बैठक में सचिव विनय शंकर पांडे, दीपेंद्र कुमार चौधरी सहित सभी जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से मौजूद रहे।

देवी-देवताओं का डर दिखाकर महिला से गहने ठगे

संवाददाता

देहरादून। देवी देवताओं का डर दिखाकर महिला से गहने ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रसूलपुर निवासी अभिषेक गर्ग ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि माता श्रीमती मधू बाला गर्ग मैन बजार विकासनगर से अपने घर रसूलपूर जा रही थी, तभी मैन बाजार स्थान देवभूमि अस्पताल के पास उसकी माता को दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा रोक लिया गया तथा उसकी माता को बताया गया की वह उससे बात करके बता सकते है कि उनके देवी देवता उनसे खुश है या नाराज तथा उसकी माता उनकी बातो में आ गई उन अज्ञात व्यक्तियो ने उसकी माताजी को बोला की उनसे भगवान शिव नाराज है तथा उनकी देवी नाराज है।

उनके द्वारा उसकी माताजी को बोला गया कि वह ज्योतिषाचार्य है और उन्होंने जो धातू पहनी है वह उसे अपने हाथ में लेके बता सकते है कि उनसे कोन सी देवी नाराज है और उन्हे खुश करने का क्या उपाय है। उसके बाद उसकी माता जी ने अपने पहने हुये धातू निकाल के उनके हाथ में रख दिये ओर उन्होने कहा की वह 21 कदम पूर्व दिशा में जाके आईये वह उनको खुश करने का उपाय बतायेगे। जब उसकी माता जी वापस आई तब तक दोनो अज्ञात व्यक्ति अपने अन्य दो साथियो के साथ फरार हो गये थे। और उसकी माता जी की पहनी सोने की चैन और सोने की अंगूठी लेके फरार हो गये।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री ने 108 असिस्टेंट प्रोफेसरों को दिये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 5 विषयों में चयनित 108 असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र दिये।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में 05 विषयों में चयनित 108 असिस्टेंट प्रोफेसर को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। हिन्दी, रसायन विज्ञान, भूगोल, जन्तु विज्ञान एवं राजनीति विज्ञान के अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि धनतेरस के पावन अवसर पर मिलने वाला यह उपहार निश्चित ही आपके जीवन में खुशियों का प्रकाश फैलाएगा। आपके जीवन में सफलता का यह दिन मेहनत, समर्पण और लगन की वजह से ही आया है। उन्होंने कहा कि अध्यापन कोई सामान्य कार्य नहीं बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। विशेषकर उच्च शिक्षा मानवीय संसाधनों को तराशने का एक प्रमुख साधन है क्योंकि उच्च शिक्षा युवा शक्ति को सही दिशा देने का कार्य करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन सालों में प्रदेश के करीब 18 हजार 500 युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान

की जा चुकी है। आगे भी भर्ती प्रक्रिया निरंतर गतिमान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में आधारभूत संरचनाओं का निरंतर विकास किया जा रहा है। 20 मॉडल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है एवं महिला छात्रावास एवं आईटी लैब सहित परीक्षा भवनों आदि का निर्माण भी किया जा रहा है। जहां एक ओर मेधावी छात्रों को प्रतिमाह छात्रवृत्ति और शोध को बढ़ावा देने के लिए प्राध्यापकों को 18 लाख रूपए तक का शोध अनुदान दिया जा रहा है वहीं गौरव योजना के तहत राज्य के उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत छात्रों को बैंकिंग एवं वित्तीय त्रिस्तरीय प्रशिक्षण तथा 5000 छात्रों के प्लेसमेन्ट का लक्ष्य रखा गया है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा में शत प्रतिशत फैकल्टी दी गई है। जिसमें 82 प्रतिशत नियमित फैकल्टी और शेष गेस्ट फैकल्टी के रूप में कार्य कर रहे हैं। राज्य में पिछले सात वर्षों में 51 कॉलेजों के भवन बनाये गये। 06 कॉलेजों को जल्द अपने भवन मिल जायेंगे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र भसीन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव पंकज पाण्डेय, अपर सचिव डॉ. आशीष श्रीवास्तव, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. अंजू अग्रवाल, महानिदेशक यूकॉस्ट प्रो. दुर्गेश पंत उपस्थित थे।

बिजली चोरी में तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने बिजली चोरी के मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केवी सब स्टेशन कालसी के अवर अभियंता राजेश कुमार ने कालसी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने ग्राम देऊ में सीताराम पुत्र कासीराम, सरदार सिंह पुत्र भूप सिंह व मदन सिंह पुत्र भादु सिंह के घरों पर छापा मारा तो वहां पर कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नाबालिग को भगाने में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। नाबालिग को भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार काठबंगला निवासी व्यक्ति ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पुत्री जो कि 27 अक्टूबर को अपने स्कूल के प्रोग्राम में शामील हुई थी. जब वह उनके छुट्टी के समय चार बजे उनके स्कूल पहुंचा तो वहॉ नहीं मिली और लगभग सवा चार बजे में उसके मोबाइल पर किसी अनजान नम्बर से कॉल आया और बोला उन्हें ढुढने की जरुरत नहीं है वह दिल्ली निकल गया है और ढुढने की कोशिश की तो कल शादी कर लेंगे नहीं तो उनकी लडकी को जान से मार देगा, तुम्हे जो करना होगा कर लेना फिर उसने बोला आप गलत कर रहे हो पहले भी आपने माफी मॉगी थी। उनकी जानकारी के हिसाब से लड़के का नाम हरीश राना है और यह फेक इन्टाग्राम आईडी बनाकर अपना नाम प्रेम ध्यानी लिखा है पिछले बार के बारदात से मिली जानकारी के मुताबीक यह अलग अलग नम्बर और फेक नाम से भोली भाली लड़की के साथ बहला फुसलाकर भगा लेता है।

5.272 किलो गांजे सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 5.272 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली ज्वालापुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को रेगुलेटर पुल से आगे बाल्मीकि बस्ती की ओर से एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5.272 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में उसने अपना नाम विवेक पुत्र स्वर्गीय विजेंन्द्र राठी निवासी ग्राम भापडोदा थाना माडोठी जिला झज्जर हरियाणा हाल निवासी राजा गार्डन निकट मछली तालाब थाना कनखल जनपद हरिद्वार बताया। बताया कि मेरे माता-पिता का देहांत 2 वर्ष पूर्व हो गया था हरियाणा झज्जर से हरिद्वार अपनी मुंह बोली बहन के साथ राजा गार्डन में सनोज के मकान में किराए पर रहता हूं जो पूर्व में भी अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में कोतवाली ज्वालापुर से जेल जा चुकी है। यह गांजा हरिद्वार में संजय नाम के व्यक्ति को सप्लाई करने जा रहा था जिसके लिए मुझे पैसे मिलते हैं। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

पीएम मोदी ने रोजगार मेले के तहत बांटे 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने रोजगार मेले के तहत बांटे 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार मेले के तहत नव नियुक्त युवाओं को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। रोजगार मेला रोजगार सृजन को प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के सार्थक अवसर प्रदान करके सशक्त बनाएगा। रोजगार मेला देश भर में 40 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें राजस्व विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जैसे विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में केंद्र सरकार में शामिल होने वाले नए कर्मचारी शामिल होंगे। नवनियुक्त रंगरूटों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर उपलब्ध एक ऑनलाइन मॉड्यूल श्कर्मयोगी प्रारंभश के माध्यम से बुनियादी प्रशिक्षण लेने का अवसर मिलेगा।1400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जो भर्ती किए गए लोगों को उनकी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभाने और एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करेंगे।रोजगार मेला देश में रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

सलमान और बाबा सिद्दीकी के बेटे को फिर से मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई । महाराष्ट्र में अभिनेता सलमान खान और बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को फिर से धमकी मिली है। सूत्रों ने बताया कि यह धमकी भरा कॉल जीशान सिद्दीकी के बांद्रा ईस्ट स्थित जनसंपर्क कार्यालय के फोन पर आया है। धमकी भरा कॉल शुक्रवार शाम को आया था। फोन पर शख्स ने अभिनेता सलमान खान और विधायक जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की धमकी दी है और पैसे की मांग की है। पुलिस ने फोन करने वाले शख्स को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। इस मामले में जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के कर्मचारी की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर निर्मलनगर पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं, जब मामले की जांच की गई तो कॉल करने वाला शख्स नोएडा का निकला। मुंबई पुलिस ने नोएडा से उसे गिरफ्तार कर लिया। उसकी उम्र 20 साल है। आरोपी की पहचान गुरफान खान के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया धमकी देने वाले युवक ने डायरेक्ट पैसे की मांग नहीं की, लेकिन इसका मकसद था कि इसी बहाने कुछ पैसे मिल जाए।

आर्मी एंबुलेंस पर हमला करने वाले 3 आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू कश्मीर के अखनूर सेक्टर के कैरी बटल इलाके में चल रही सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच में मुठभेड़ का आज दूसरा दिन है। पहले खबर आई कि सुरक्षा बलों को एक और कामयाबी मिली है और सेना ने एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। नए अपडेट में जानकारी मिली है कि सोमवार से चल रहे जवाबी अभियान में अब तक 3 आतंकवादी मारे गए, जिनका शव बरामद किया जा चुका है।अधिकारियों ने बताया कि जब सेना की एक एंबुलेंस गांव से गुजर रही थी, तभी गांव में कुछ गोलियों की आवाज सुनी गई जो सेना के वाहन पर चलाई गई थी। ऐसा माना जा रहा है कि ये आतंकवादी रविवार रात सीमा पार से घुसपैठ कर घुसे थे और सेना के काफिले को निशाना बनाया था। एक अधिकारी ने बताया, सुरक्षा बलों ने मंगलवार की सुबह करीब सात बजे खौर के भट्टल ऐरा में छिपे आतंकवादियों पर हमला शुरू किया, जिसके बाद फिर से मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान सुरक्षा बलों ने एक और आतंकवादी को मार गिराया। उन्होंने बताया कि इसके बाद करीब एक घंटे तक रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही, जिसमें फंसे हुए तीसरे आतंकवादी को मार गिराया गया। एनकाउंटर के दौरान गोली लगने से सेना का चार वर्षीय बहादुर कुत्ता 'फैंटम' मारा गया। जम्मू के डिफेंस पीआरओ ने कहा कि हम अपने डॉग फैंटम के सर्वोच्च बलिदान को सलाम करते हैं। हमारे सैनिक जब फंसे हुए आतंकवादियों के करीब पहुंच रहे थे, तब फैंटम ने दुश्मन की गोलीबारी को झेला, जिससे वह घायल हो गया था। बाद में फैंटम ने दम तोड़ दिया। उसका साहस, वफादारी और समर्पण को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

प्रत्येक नागरिक के भीतर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना जागृत हो: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है कि प्रत्येक नागरिक के भीतर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को जागृत हो।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में पवेलियन ग्राउंड देहरादून के ओपन रन फॉर यूनिटी क्रॉस कंट्री दौड़ में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को साकार करने वाले, राष्ट्र के महानायक, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित कर दिया, उनका संपूर्ण जीवन हमें राष्ट्र सेवा की प्रेरणा प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती पर ही होता है। इस वर्ष उनकी जयंती के साथ दीपावली का संयोग होने के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में यह घोषणा की थी कि इस बार 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन 29 अक्टूबर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता, और अटूट समर्पण के माध्यम से अखंड भारत का सपना साकार किया। 560 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत को एक सशक्त राष्ट्र बनाया, और हमें एक ऐसा भारत दिया जिसमें विविधता के बावजूद एकता की भावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विस्तृत एवं एकीकृत भारत के निर्माण में देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल की कूटनीति व दूरदर्शिता का स्वतंत्र भारत के इतिहास में भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। अपने अद्वितीय संकल्पशक्ति और दूरदर्शिता से आधुनिक भारत का निर्माण करने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए किए गए महान योगदान के लिए देश का प्रत्येक नागरिक सदैव उनका ऋणी रहेगा। इस 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया है कि प्रत्येक नागरिक के भीतर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को जागृत हो। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, विधायक खजान दास, विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, निदेशक खेल प्रशांत आर्य, खेल विभाग के अन्य अधिकारी एवं अनेक प्रतिभागी उपस्थित थे।

एसएसपी ने किया देर रात थाना गदरपुर का औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। एसएसपी द्वारा देर रात थाना गदरपुर पहुंच वहां औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने थाना परिसर की व्यवस्थाओं तथा सीसीटीवी कैमरों को देखा व अभिलेखों की जांच की साथ ही उनके द्वारा रिकॉर्डों को अपडेट रखने पर जोर दिया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा द्वारा देर रात करीब 12:30 बजे थाना गदरपुर पहुच कर वहां औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होने थाना गदरपुर में निर्माणाधीन आवासीय भवन एवं कर्मचारी बैरक, सीसीटीएनएस, विवेचना कक्ष, महिला हेल्प डेस्क व थाने पर लगे सीसीटीवी को भी देखा, जिसमें सीसीटीवी हेतु विद्युत आपूर्ति की उचित व्यवस्था के लिए बताया गया।

इस दौरान उन्होने रिकॉर्डों को अपडेट रखने पर जोर दिया। उन्होने बताया कि थाने पर उपस्थित अभिलेखों/रजिस्टर को सुरक्षित व अपडेट रखने तथा थाना परिसर की साफ सफाई रखने हेतु बताया गया।

इसके अलावा संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए तथा रात में पुलिस गश्त, पिकेट को प्रभावी रूप कराने एवं अपराध एवम अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु थानाध्यक्ष को सख्त दिशा निर्देश दिये गये।

छात्रों की लड़ाई कमजोर कर रही है सरकार: आर्य

❑छात्र संघ चुनाव न कराने पर छात्रों का आंदोलन जारी

विशेष संवाददाता

देहरादून। छात्र संघ चुनाव न कराये जाने को लेकर जहां समूचे छात्र संगठनों और छात्रों में भारी नाराजगी और आक्रोश देखा जा रहा है वहीं राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करने शुरू कर दिए हैं। नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोटने के प्रयास करने का आरोप लगाया है।

छात्र संघ चुनाव पर हाई कोर्ट में दायर याचिका के बाद छात्र संघ चुनाव न कराने के फैसले के बाद छात्रों में इस कदर आक्रोश है कि वह इसके खिलाफ पूरे राज्य में आंदोलन पर आमादा हो चुके हैं। कहीं कॉलेज प्रशासन से उनकी भिड़ंत हो रही है तो कहीं तालाबंदी और धरने प्रदर्शन जारी हैं छात्रों में इस कदर गुस्सा देखा जा रहा है कि वह आत्मदाह का प्रयास तक कर चुके हैं। शिक्षा मंत्री धन सिंह के जगह-जगह पुतले फूंके जा रहे हैं तो कहीं सड़कों को जाम कर धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। राजधानी दून के सभी कॉलेजों में इस मुद्दे को लेकर छात्रों का आंदोलन जारी है। दून में आज एसजीआरआर पीजी कॉलेज के छात्रों द्वारा पथरी बाग चौक पर सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया गया। छात्रों का आरोप है कि छात्रों के आंदोलन को दबाने के लिए त्योहार से दो दिन पहले ही छुट्टी घोषित कर दी गई है।

नेता विपक्ष यशपाल आर्य का कहना है कि सरकार छात्रसंघ चुनाव से कन्नी काट रही है उनका कहना है कि चुनाव लोकतंत्र का मूल है और सरकार लोकतंत्र का गला घोटने पर आमादा है। छात्र संघ चुनाव न करा कर सत्ता में बैठे लोग युवाओं की लड़ाई को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। यह युवाओं के अधिकार और उनकी आवाज दबाने का प्रयास है। लोकतंत्र में इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।